13. SUMMARY OF THE FINDINGS
(IN 500 WORDS) :

Prof. Bhavna H. Gajera
Assi. Professor in Sanskrit
Shree Mahila Arts &
Commerce College,
Joshipura-Junagadh, Gujarat

विषय : गुजरात मे सस्कृत शोध-प्रबध का विकास

स्वीकृत शोध-प्रबध एव पजीकृत शोध विषयो की सूचि सहित

(स्वातत्र्योत्तरकाल से सन् र०१० तक)

निष्कष *(Findings)*

- शोधकर्ताओ की सख्या की दृष्टि से :

गुजरात राज्य मे सस्कृत विषय मे अनुसधान कार्य बडे जोर से चल रहा है । गुजरात के जिन १० विश्वविद्यालयो के सस्कृत विषय मे हुए शोधकार्य के आकडे प्राप्त हुए है, उनक अनुसार कुल ५९१ शोधार्थियो ने अनुसधान कार्य किया है । उनमे से सख्या की दृष्टि से देखा जाय तो सब से ज्यादा अनुसधान कार्य गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद म (१५१) हुआ है । जो कि समग्र अनुसधान का %ण५ है । इसलिए अनुसधान कार्य मे परिणाम की दृष्टि से गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद को प्रथम स्थान प्राप्त होता है । उसके फ्श्चात् दूसरा स्थान सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (१र७), तीसरा स्थान श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (७६), चौथा स्थान महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बडौदा (७४), पाँचवा स्थान हेमचन्द्राचाय% उतर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण (७र), छट्ठा स्थान सरदार पटेल विश्वविद्यालय, विद्यानगर (३८), सातवा स्थान भावनगर विश्वविद्यालय, भावनगर (१८), आठवा स्थान वीर नम%द दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत (१८) नवमा स्थान क्रान्तिगुरू श्यामजीकृष्ण वमा% कच्छ विश्वविद्यालय, भूज (११) और अतिम स्थान कडी सव% विश्वविद्यालय, गाधोनगर (०६) को प्राप्त होता है ।

- महिला शोधकर्ताओ की दृष्टि से :

जो शोधकार्य हुआ है उसमे पुरूष और महिलाएँ दोनो ने अपना योगदान दिया है । आज कल विश्वविद्यालयो के नतीजो मे भी महिलाएँ पुरूषो से आगे नीकल रही है । शोधकार्य के क्षेत्र मे प्राप्ताको पर दृष्टि करने पर पता चलता है कि वहाँ महिलाएँ थोडा पीछे है । कुल ५९१ शोधकर्ताओ मे ३८र पुरूष शोधकर्ता एव र०९ महिला शोधकर्ता है । औसत की दृष्टि से पुरूष शोधकर्ताओ का योगदान ६४.६४२ है और महिला शोधकर्ताओ का योगदान ३५.३६२ है । इस प्रकार यहाँ महिलाएँ लगभग र९२ पीछे नजर आती ह ।

शोधकार्य मे महिला सशोधनकार की दृष्टि से प्रथम स्थान गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद (४५.०३२), द्वितीय स्थान वीर नम%द दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत (४४.४४ २), तृतीय स्थान सरदार पटेल विश्वविद्यालय, विद्यानगर (४र.११ २), चतुर्थ स्थान सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (३६.रर२), पचम स्थान महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बडौदा (३५.१४२), छट्ठा स्थान हेमचन्द्राचाय% उतर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण (३१.९४२),सातवा स्थान भावनगर विश्वविद्यालय, भावनगर (र७.७८२), आठवा स्थान क्रान्तिगुरू श्यामजीकृष्ण वमा% कच्छ विश्वविद्यालय, भूज (र७.र७२), नवमा स्थान श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (१८.७रर२) को प्राप्त होता है ।

इसी से पता चलता है कि गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, वीर नम%द दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत और सरदार पटेल विश्वविद्यालय, विद्यानगर को छोडकर अन्यकिसीविश्वविद्यालय मे महिलाएँ आगे नही है । जिनविश्वविद्यालय मे महिलाएँ पीछे है वहाँ के विभाग को इसके कारणो की खोज कर उनके उपायो का आयोजन कर महिलाओ को शोधकार्य के लिए प्रेरित कर आगे लाने का प्रयत्न करने की आवश्यकता है ।

➢ <u>वैदिक साहित्य(श्रुति साहित्य) अनुसधान की दृष्टि से :</u>

शोधकार्य के विषयो का अध्ययन करने पर पता चलता है कि साहित्य की विभिन्नविधाओ (प्रशिष्ट साहित्य, दश%नशास्त्र, इतिहास, पुराण, आधुनिक साहित्य, अलकार आदि) को लेकर सशोधन किया गया है । वैदिक साहित्यविषयो को लेकर बहुत कम शोधकार्य हुआ है । लगभग ८९२ शोधकार्य वैदिक साहित्येतर विषय के उपर हुआ है । समग्र रूप से कुल ५९१ सशोधनो मे से केवल ६५ सशोधन वैदिक साहित्यविषयो को लेकर किया गया है, जो कि समग्र सशोधन का केवल ११२ है, जो बहुतकम माना जायेगा ।

शायद शोधकार्य के लिए आवश्यक सबधित साहित्य की उपलब्धि को घ्यान मे रखकर ही विषय चयन किया गया है, इसी का यह परिणाम हो सकता है । द्सरा कारण नये वैदिक साहित्यविषयो का अभाव भी हो सकता है । या तो कम दिलचस्पी लेते है । विशेषकर यह दायित्व हमारे सस्कृत के शोध निर्देशको का रहेगा । शोधकर्ताओ को वैदिक साहित्य मे शोधकार्य करने के लिए नए विषयदिखाये और प्रेरित करे ।

वैदिकविषयो पर किये गये शोधकार्य की दृष्टि से प्रथम स्थान श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (र६.३र२), द्वितीय स्थान भावनगर विश्वविद्यालय, भावनगर (१६.६७२), तृतीय स्थान गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद (११.र६२), चतुर्थ स्थान वीर नम%द दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत (११.११२), पचम स्थान महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बडौदा (९.४५ २), छट्ठा स्थान क्रान्तिगुरू श्यामजीकृष्ण वमा% कच्छ विश्वविद्यालय, भूज (९.९२), सातवा स्थान सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (७.८७२), आठवा स्थान सरदार पटेल विश्वविद्यालय, विद्यानगर (५.र६२), नवमा स्थान हेमचन्द्राचाय% उतर

गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण (४.१७२) को पाप्त होता है । जिनविश्वविद्यालयो मे औसत (११२) से कम शोधकार्य हुआ है, उनकोविशेष प्रयास करना होगा ।

इन सभी विश्वविद्यालयो को अपने शोध छात्रो को नये वैदिकविषयो की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता है । शोध निर्देशको को इस दिशा मे शोच-विचार कर छात्रो को नये वैदिकविषयकिजिसम अभी कार्य नही हुआ है उसे ढंढने मे सहायता करनी होगी । जिससे शोधार्थी एव अन्यउत्सुक छात्रो को वेद ग्रथ, वेद परपरा, वेद शाखा आदि अनजान और ब्रह्मज्ञान विषयक गूढ रहस्य से ज्ञान प्राप्ति हो सके और हमारी सबसे प्राचीन परपरा से अवगत हो सके ।

➢ शास्त्रग्रथ साहित्य की दृष्टि से :

यहाँ पर शास्त्रग्रथ साहित्य मे धर्मशास्त्र, व्याकरणशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, छदशास्त्र, आयुर्वेद स्मृतिग्रथ - आदिविषयो को समाविष्ट किया है, जो वैदिकेतर साहित्य है । शोधकार्य के विषयो का अध्ययन करने पर पता चलता है कि शास्त्रग्रथ साहित्य मे अन्यविषयो की अपेक्षा बहुत कम शोधकार्य हुआ है । समग्र रूप से कुल ५९१ सशोधनो मे से केवल ६० सशोधन शास्त्रग्रथ साहित्यविषयो पर हुआ है, जो कि समग्र सशोधन का केवल १०.१५ २ है । जो बहुत कम माना जायेगा ।

अभी तक आयुर्वेद विषय पर बहुत ही कम काम हुआ है । व्याकरणशास्त्र मे गुजरात के अन्य सभो युनिवर्सिटियो मे से गुजरात युनिवर्सिटी मे सबसे अधिक शोधकार्य ५६.१५२ हुआ है । कुल १६शोधार्थियो म से ९ शोधार्थियो गुजरात युनिवर्सिटी के है । उसके बाद द्वितीय स्थान सरदार पटेल युनिवर्सिटी के है और तृतीय स्थान सौराष्ट्र युनि. के है । इसके सिवाअन्य कोई भी युनिवर्सिटी मे व्याकरणशास्त्र पर शोधकार्य नही हुआ है । जिसके बारे मे शोध निर्देशको ने शोधार्थियो को नये विषय ढढने मे सहायता करनी होगी ।

ज्योतिषशास्त्र विषय मे औसत से कम शोधकार्य हुआ है । उनकोविशेष प्रयत्न करना होगा । ५०२ विश्वविद्यालयो मे ज्योतिषशास्त्र विषय पर बिलकुल कार्य हुआ ही नही है । इस अछूता विषय को ज्यादामहत्व देकर निर्देशको को अपने छात्र-छात्राओ को इस दिशा मे शोधकार्य करने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है ।

धर्मशास्त्रविषय पर भी अन्यविषयो की अपेक्षा कम शोधकार्य हुआ है ।

➢ दर्शनशास्त्र विषयो के आधार पर :

इस विषय को लेकर गुजरात के सभी विश्वविद्यालयो मे सशोधन कार्य हुआ है । सख्या एव औसत की दृष्टि से यह विषय मे अच्छे सशोधन हुआ है । गुजरात के १० विश्वविद्यालयो के सस्कृत विषय मे हुए

शोधकार्य के आकडे प्राप्त हुए है, उनके अनुसार कुल ५९१ मे से ७८ शोधार्थियो ने इस विषय पर अनुसधान कार्य किया है ।

दश%नशास्त्र विषय पर किये गये शोधकाय% को औसत की दृष्टि से देखा जाय तो सब से ज्यादा अनुसधान कार्य कडी सव% विश्वविद्यालय,गाधीनगर मे (३३.३३२) हुआ है । उनके पश्चात् दूसरा स्थान वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत (र७.७८२), तृतीय स्थान महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बडौदा (रर.९७२), चतुर्थ स्थान सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभविद्यानगर (र१२), पाचवा स्थान गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद (१६.५६२), छट्ठा स्थान श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (१८.१८२), सातवा स्थान भावनगर युनिवर्सिटी, भावनगर (११.११२), आठवा स्थान सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट (११२) एव अतिम स्थान हेमचन्द्राचार्य उतर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण (४.१७२) है । जिनविश्वविद्यालयो मे औसत (१३.र०२) से कम शोधकाय% हो रहा है उनकोविशेष प्रयास करना होगा । जिसके बारे मे शोध निर्देशको ने शोधार्थियो को नये विषय ढढने मे सहायता करनी होगी ।

➢ इतिहास अनुसधान की दृष्टि से :

इतिहास विषय मे रामायण,महाभारत और श्रीमद् भगवद् गीता के विषय को समाविष्ट किया गया है । रामायण विषय मे अनुसधान के बारे मे देखा जाय तो समग्र सशोधन मे से रामायण विषय पर बहुत कम शोधकार्य हुआ है । इसी तरह महाभारत विषय को लेकर भी अभिसशोधत्सु ने अपेक्षा से कम शोधकार्य किया है । इस विषय को लेकर गुजरात के सभी विश्वविद्यालयो मे सशोधन कार्य हुआ है । सख्या एव औसत की दृष्टि से यह विषय मे कम सशोधन हुआ है । गुजरात के १० विश्वविद्यालयो के सस्कृत विषय मे हुए शोधकार्य के आकडे प्राप्त हुए है, उनके अनुसार कुल ५९१ सशोधनो मे से केवल ४० शोधार्थियो ने ही इतिहास विषयो को लेकर अनुसधान कार्य किया है ।जोकि समग्र सशोधन का केवल ६.७७२ है, जो बहुत कम माना जायेगा ।

सख्या की दृष्टि से देखे तो प्रथम स्थान सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट (१६), द्वितीय स्थान गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद (१४), तृतीय स्थान महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बडौदा (४), चतुर्थ स्थान भावनगर युनिवर्सिटी, भावनगर (र) और क्रान्तिगुरू श्यामजीकृष्ण वमा% कच्छ विश्वविद्यालय, भूज (र),पचम स्थान वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत (१) और श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (१)विषय मे शोधकाय% हुआ है ।

औसत की दृष्टि से देखे तो प्रथम स्थान क्रान्तिगुरू श्यामजीकृष्ण वमा% कच्छ विश्वविद्यालय, भूज (१८.१८२), द्वितीय स्थान सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट (१र.६०२), तृतीय स्थान भावनगर यनिवर्सिटी, भावनगर (११.११२), चतुर्थ स्थान गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद (९.र७२), पचम स्थान वीर नर्मद दक्षिण गुजरात

विश्वविद्यालय, सुरत (५.५६२), छठा स्थान महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बडौदा (५.४०२), सातवा स्थान श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (१.३र२) और सरदार पटल विश्वविद्यालय, वल्लभविद्यानगर, हेमचन्द्राचार्य उतर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण एव कडी सव% विश्व विद्यालय, गाधीनगर मे इतिहास विषय पर सशोधन काय% बिलकुल हुआ ही नही है ।

जिनविश्वविद्यालयो मे (६.७७२) से भी कम अनुसधान इतिहास विषय शोध पर हुए है । उनकोविशेष रूप मे पवृत होकर अपनी इस औसत को बढाने का प्रयत्न करना होगा ।

➢ <u>पुराण विषय अनुसधान की दृष्टि से :</u>

शोधकार्य के विषयो का अध्ययन करने पर पता लगता है किज्यादातर शोधकार्य प्रशिष्ट साहित्य मे हुआ है । उसकी तुलना मे पुराण विषय को लेकर कम शोधकार्य हुआ है । लगभग १४२ से भी कम शोधकार्य पुराण साहित्य के उपर हुआ है । जो बहुत कम माना जायेगा । समग्र रूप से कुल ५९१ सशोधनो मे से ८१ सशोधन पुराण विषय को लेकर किया गया है ।

सौराष्ट्र युनिवर्सिटी राजकोट, हेमचन्द्राचार्य उतर गुजरात युनिवर्सिटी पाटण, गुजरात युनिवर्सिटी अहमदाबाद, श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल और एम. एस. युनि., बडौदा को छोडकर अन्यकिसीविश्वविद्यालय मे पुराण विषय पर ज्यादा शोधकार्य नही हुआ है ।

<u>सख्या</u> की दृष्टि से देखे तो पुराण विषय मे प्रथम स्थान सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट (र०), द्वितीय स्थान श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (१७), तृतीय स्थान हेमचन्द्राचार्य उतर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण (१४), चतुर्थ स्थान गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद (१र), पचम स्थान एम. एस. युनि., बडौदा (१०), छठा स्थान भावनगर युनिवर्सिटी, भावनगर (र), एस. पी. युनिवर्सिटी, वि.वि.नगर (र) और वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनिवर्सिटी, सुरत (र),सातवा स्थान क्रान्तिगुरू श्यामजीकृष्ण वमा% कच्छ विश्वविद्यालय, भूज (१) एव कडी सर्व विश्वविद्यालय,गाधीनगर (१)विषय पर शोधकार्य हुआ है ।

<u>औसत</u> की दृष्टि से देखा जाय तो पुराण विषय मे प्रथम स्थान श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (रर.३७२),द्वितीया स्थान हेमचन्द्राचार्य उतर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण (१९.४४२), तृतीय स्थान कडी सर्व विश्वविद्यालय, गाधीनगर (१६.६७२), चतुर्थ स्थान सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट (१५.७५ २), पचम स्थान एम. एस. युनि. बडौदा (१३.५१२), छठा स्थान भावनगर युनिवर्सिटी, भावनगर (११.११२), सातवा स्थान वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनिवर्सिटी, सुरत (११.११२),आठवा स्थान क्रान्तिगुरू श्यामजीकृष्ण वमा% कच्छ युनिवर्सिटी, भूज (९.९२),नवमा स्थान गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद (७.९५२) और दशवा स्थान एस. पी. युनिवर्सिटी, वल्लभविद्यानगर (५.रू६२) को प्राप्त होता है ।

जिनविश्वविद्यालय मे पुराण विषय मे शोधकार्य (१३.७१२) से कम हुआ है वहाँ के विभाग को इसके शोधछात्रो को नये विषयो की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता है ।

➢ प्रशिष्ट साहित्यविषयो के आधार पर :

शोधकार्य के समग्र विषयो का अध्ययन के बाद यह प्रतीत हुआ कि सबसे अधिक शोधकार्य प्रशिष्ट साहित्य मे हुआ है । समग्र रूप से कुल ५९१ सशोधनो मे से १५र सशोधन प्रशिष्ट साहित्यविषयो को लेकर किया गया है । जो कि समग्र सशोधन का र५.७र२ है, जो सबसे अधिकअभिसधित्सुओ ने इस विषय को लेकर शोधकार्य किया है । इस सशोधन कार्य म सबसे अधिक योगदान गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद का रहा है । उसके बाद सौराष्ट्र युनि. राजकोट एव हेमचन्द्राचार्य उतर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण का रहा है ।

औसत की दृष्टि से देखे तो प्रशिष्ट साहित्यविषयो पर किये गये शोधकार्य म प्रथम स्थान वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनिवर्सिटी, सुरत (३८.८९२), द्वितीय स्थान हेमचन्द्राचार्य उतर गुजरात युनिवर्सिटी, पाटण (३७.०५२), तृतीय स्थान एस. पी. युनि. वल्लभविद्यानगर (३४.र१२), चतुर्थ स्थान कडी सर्व विश्वविद्यालय, गाधीनगर (३३.३३२), पचम स्थान गुजरात युनि. अहमदाबाद (र६.४९२), छठा स्थान सौराष्ट्र युनि. राजकोट (र४.४१२), सातवा स्थान भावनगर युनिवर्सिटी, भावनगर (रर.रर२), आठवा स्थान श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (१८.४र२), नवमा स्थान क्रान्तिगुरू श्यामजीकृष्ण वमा% कच्छ युनिवर्सिटी, भूज (१८.१८२), दशवा स्थान एम. एस. युनि. बडौदा (१६.र१२) को प्राप्त होता है । जिनविश्वविद्यालयो म औसत (र५.७र२) से कम शोधकार्य हुआ है, उनकोविशेष प्रयास करना होगा । इन विश्वविद्यालयो को अपने शोधछात्रो को नये प्रशिष्ट साहित्यविषयो की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता है ।

➢ आधुनिक साहित्य अनुसधान की दृष्टि से :

शोधकार्य के क्षेत्र मे प्रशिष्ट साहित्यविषय के साथ साथ आधुनिक साहित्यविषय को लेकर भी बहुत अनुसधान कार्य हो रहा है । पीछले दशक मे यह विषय सगोष्ठियो एवम् समेलनो मे भी काफी चर्चा मे आया है । इस विषय को लेकर गुजरात मे सभी विश्वविद्यालयो मे शोधकार्य हुआ है । मगर सख्या एव औसत की दृष्टि से यह कार्य काफी कम है । केवल ८२ शोधकार्य ही आधुनिक साहित्य को विषय बनाकर किया गया है । जो कि बहुत ही कम कहा जा सकता है । इसके दो कारण हो सकते है (१) आधुनिक साहित्य को लेकर साहित्य रचना कम हुई हो या (र) आधुनिक साहित्यकारो की सख्या कम हो । जो भी हो इस दिशा मे शोधकार्य का काफी अवकाश है । इसलिए गुजरात के सभी विश्वविद्यालय के सस्कृत शोधछात्रो एव शोध निर्देशको को इस दिशा मे प्रवृत होने की आवश्यकता है ।

आधुनिक साहित्य को विषय बनाकर किये गये अनुसधान की दृष्टि से प्रथम स्थान क्रान्तिगुरू श्यामजीकृष्ण वमा% कच्छ युनिवर्सिटी, भूज (१८.१८२), द्वितीय स्थान भावनगर युनिवर्सिटी, भावनगर (१६.६७२), तृतीय

स्थान हेमचन्द्राचार्य उतर गुजरात युनि. पाटण (१५.२५ २), चतुर्थ स्थान श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (९.२१२), पचम स्थान सौराष्ट्र युनि. राजकोट (७.८७ २), छट्ठा स्थान एम. एस. युनि. बडौदा (६.७६२), सातवा स्थान एस. पी. युनि. वल्लभविद्यानगर (५.२६२) और आठवा स्थान गुजरात युनि. अहमदाबाद (४.६४२) को मिलता है । वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनि. सुरत और कडी सर्व विश्व विद्यालय, गाधीनगर मे इस विषय को लेकर कोई शोधकार्य नही हुआ है।

➢ साहित्यशास्त्र (अलकारशास्त्र) विषय के आधार पर :

सस्कृत मे अलकारशास्त्र को लेकर भी अनुसधान कार्य हो रहा है । समग्र अनुसधान कार्य की दृष्टि से देखा जाय तो कुल ५९१ सशोधनो मे से ६० सशोधन अलकारशास्त्र के विषयो को लेकर किया गया है ।

जो कि समग्र सशोधन का १०.१५२ है ।

साहित्यशास्त्र विषयो पर किये गये शोधकार्य की दृष्टि से प्रथम स्थान एस. पी. युनिवर्सिटी, वल्लभविद्यानगर (१८.४२२), द्वितीय स्थान हेमचन्द्राचार्य उतर गुजरात युनि. पाटण (१६.६७२), तृतीय स्थान कडी सर्व विश्व विद्यालय, गाधीनगर (१६.६७२), चतुर्थ स्थान गुजरात युनिवर्सिटी,अहमदाबाद (१४.५७२), पचम स्थान सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट (९.४५२), छट्ठा स्थान एम. एस. युनि. बडौदा (६.७६२) और सातवाँ स्थान श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (१.३२२) को प्राप्त होता है ।

इस विषय पर भावनगर युनि. भावनगर, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनि. सूरत और क्रान्तिगुरू श्यामजीकृष्ण वमा% कच्छ युनिवर्सिटी, भूज म २०१० तक शोध कार्य हुआ ही नही है । जिनविश्वविद्यालयो मे १०२ से कम शोधकार्य हुआ है उनकोविशेष प्रयास करना होगा । सभी विश्वविद्यालयो मे अपने शोध छात्रो को नये साहित्यशास्त्र विषयो की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता है और नये नये विषय चयन करने मे सहायता करने का हमारे सस्कृत शोध निर्देशको का दायित्व रहेगा ।

तुलनात्मक अनुसधान की दृष्टि से :

शोधकार्य के क्षेत्र मे तुलनात्मकअध्ययन बहुत आवश्यक है । आजकल तुलनात्मकअध्ययन करने पर देखा जाय तो गुजरात मे सस्कृत मे जो शोधकार्य हुआ है, उसमे से समग्र रूप से देखे तो केवल ३४ शोधकार्य के विषय ही तुलनात्मकअध्ययन के है । इसलिए सभी निर्देशको को अपने छात्र-छात्राओ को तुलनात्मकऔसत की दृष्टि से देखे तो प्रथम स्थान श्री सोमनाथ सस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल (१८.१८२) और क्रान्तिगुरू श्यामजीकृष्ण वमा% कच्छ युनिवर्सिटी, भूज (१८.१८२), द्वितीय स्थान वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनि. सुरत (१६.६७२), तृतीय स्थान गुजरात युनिवर्सिटी,अहमदाबाद (८.६१२), चतुथ% स्थान एस. पी. युनिवर्सिटी, वल्लभविद्यानगर (७.८९२), पचम स्थान भावनगर युनि. भावनगर (५.५६२), छट्ठा स्थान सौराष्ट्र युनिवर्सिटी,

राजकोट (५.५१२), सातवा स्थान एम. एस. युनि. बडौदा (र.७०२) और हेमचन्द्राचार्य उतर गुजरात युनि. पाटण (१.३८२) को प्राप्त होता है ।

भावनगर युनिवर्सिटी, और कडी सर्व विश्व विद्यालय, गाधीनगर मे इस विषय को लेकर कोई शोधकार्य नही हुआ है । जिनविश्वद्यिालयो मे औसत ५.७५२ से भी कम ही तुलनात्मक अनुसधान हुआ है उसकोविशेष रूप से प्रवृत होकर अपनी इस औसत को बढाने का पयत्न करना होगा ।

हेमचन्द्राचार्य उतर गुजरात युनिवर्सिटी के पीएच.डी. की उपाधि के लिए स्वीकृत शोध प्रबन्धो पर दृष्टिपात करने से यह बात स्पष्ट होती है किअधिकाश शोधार्थियो ने (१) पुराण (र) साहित्यशास्त्र, (३) प्रशिष्ट साहित्य एव (४) आधुनिक साहित्य के विषयो पर विशषरूप से शोधकार्य किया है, जब कि वैदिक एव दर्शनशास्त्र - जैसे विषयो मे अपेक्षाकृत कम शोधकार्य हुआ है और व्याकरणशास्त्र, इतिहास, आर्युवेद आदिविषयो पर बिलकुल कार्य नही हुआ है । इस विषय मे सशोधन का ज्यादा अवकाश है ।

विशेष करके इस युनिवर्सिटी की उल्लेखनीय बात यह नजर आयी, कि प्रशिष्ट साहित्य मे गुजरात की अन्य सभी युनिवर्सिटियो की अपेक्षा से इस युनिवर्सिटी के शोधत्सु ने 'चम्पूकाव्य' विषय पर सविशेष शोधकार्य किया है, जो आवकार्य एव सराहनीय बात है ।

श्री शतानदमुनिकृत हरिवाक्यसुधासिन्धु - एक अध्ययनविषय पर सरदार पटेल युनिवर्सिटी,विद्यानगर - र००६ ई.स. मे तथा 'Shri Harivakyasudhasindhu of Shri Shatanandmuni' M.S.University, Baroda - 2010 ई.स. म - ये दोनो युनिवर्सिटी मे एक ही विषय पर शोधकार्य हुआ है । शायददोनो शोधकाय% अलग अलग दृष्टिकोण से हुआ हो ।

व्याकरणशास्त्र मे गुजरात के अन्य सभी युनिवर्सिटियो मे से गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद मे सबसे अधिक शोधकार्य ५६.१५२ हुआ है । कुल १६शोधार्थियो म से ०९ शोधार्थियो गुजरात युनिवर्सिटी के है । उसके बाद द्वितीय स्थान सरदार पटेल युनिवर्सिटी के है और तृतीय स्थान सौराष्ट्र युनि. के है । इसक सिवाअन्य कोई भी युनिवर्सिटी मे व्याकरणशास्त्र पर शोधकार्य नही हुआ है ।

७७७